Ans. (b) गुजरात राजस्थान के दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिमी में स्थित है। गुजरात के बनासकंठा से डूंगरपुर की सीमा लगती है।

248. राजस्थान राज्य का कौन-सा जिला हरियाणा राज्य के हिसार की सीमा को छूता है?

(a) हनुमानगढ़ (b) चुरू
(c) झुंझुनू (d) सीकर

कनिष्ठ अनुदेशक (मैकनिक रेफ्रिजरेशन) 2018

Ans. (c) राजस्थान के सीमावर्ती राज्यों में हरियाणा, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, पंजाब शामिल है। राजस्थान के 7 जिले हरियाणा के सीमावर्ती है। राजस्थान का झुंझुनू जिला हरियाणा के हिसार को छूता है।

249. निम्नांकित में से कौन-से काल की चट्टानों में सीसा तथा जस्ता मिलता है?

(a) आर्कियन व प्रोटेरोजोइक
(b) प्रोटेरोजोइक व मेसोजोइक
(c) सिनोजोइक व प्रोटेरोजोइक
(d) केम्ब्रियन व कार्बोनिफेरस

कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (a) सीसा और जस्ता मिश्रित अवस्था में अरावली पहाड़ी की अवसादी व परतदार चट्टानों में गैलेना अयस्क के रूप में मिलने वाला खनिज है। यह आर्कियन और प्रोटेरोजोइक काल की चट्टानों में प्राप्त होता है। सीसा-जस्ता उत्पादन और भण्डारण की दृष्टि से राजस्थान का देश में प्रथम स्थान है।

250. राजस्थान में 'मरुस्थल का प्रयाण' प्रक्रिया का संबंध है-

(a) मरुस्थल में शीतकालीन वर्षा से
(b) मरुस्थल में चरम तापमान से
(c) मरुस्थल का विस्तार से
(d) मरूस्थलीय भूजल स्तर में गिरावट से

कनिष्क अभियन्ता (यांत्रिक) 13.12.2020, Code-80

Ans. (c) मरूस्थल प्रयाण से तात्पर्य मरूस्थलीय क्षेत्र में विस्तार से है। राजस्थान थार मरूस्थल के क्षेत्र में अवस्थित है।

251. रचना विधि के आधार पर अरावली पर्वत है-

(a) मोड़दार (b) संचयी
(c) अवरोधी (d) अवशिष्ट

JEN Mechanical Diploma 21.8.2016

Ans. (a) रचना विधि के अनुसार, अरावली पर्वत मोड़दार पर्वत है। अरावली की पहाड़ियाँ प्रायद्वीपीय पठार के पश्चिमी एवं उत्तर-पश्चिमी किनारे पर स्थित है। ये गुजरात से लेकर दिल्ली तक फैली है। अरावली पहाड़ी के पश्चिमी भाग में थार का मरूस्थल स्थित है।

252. अरावली पर्वतमाला के किस भाग में सर्वाधिक संख्या में अन्तराल विद्यमान है-

(a) उत्तरी एवं मध्यवर्ती (b) उत्तरी एवं दक्षिणी
(c) मध्यवर्ती एवं पूर्वी (d) दक्षिणी एवं पश्चिमी

JEN Mechanical Degree (Tsp Area)16.10.2016

Ans. (a) अरावली पर्वतमाला के उत्तरी एवं मध्यवर्ती भाग के सर्वाधिक संख्या में अंतराल विद्यमान है। उल्लेखनीय है कि अरावली पर्वत श्रृंखला विश्व की सबसे पुरानी वलित पर्वत श्रृंखला है। इसकी पर्वत श्रेणियाँ दिल्ली से लेकर पालनपुर तक विस्तृत हैं। अरावली का विस्तार राजस्थान के सिरोही, राजसमंद, उदयपुर, अजमेर, जयपुर, दौसा और अलवर जिलों तक है।

253. भू-जलवायविक प्रमाणों के आधार पर आज से लगभग कितने वर्ष पूर्व राजस्थान में मरूस्थल का अस्तित्व नहीं था?

(a) 1,000 (b) 7,000
(c) 10,000 (d) 25,000

JEN Civil Diploma 21.08.2016

Ans. (b) भू-जलवायविक प्रमाणों के आधार पर आज से लगभग 7000 वर्ष पूर्व राज्स्थान में थार मरूस्थल का अस्तित्व नहीं था। थार के मरुस्थल के उत्पत्ति के पूर्व इस स्थान पर समुद्र हुआ करता था। जुरासिक काल 18 करोड़ से 4.5 करोड़ वर्ष माना जाता है। इसी काल में लगभग 6 करोड़ वर्ष पहले यहाँ पर हकड़ा नामक नदी बहती थी अर्थात् इसी समय यहाँ पर स्थलीय संरचना का निर्माण हुआ। जुरासिक समय के लकड़ियों के अवशेष का कास्ट जीवाश्म आज भी मौजूद है। जो मरुस्थलीय क्षेत्र से पाये जाते हैं। अतः मरुस्थल निर्माण की प्रक्रिया करोड़ों वर्षों पूर्व की है।

254. वर्तमान में अरावली पर्वत विद्यमान है?

(a) वलित पर्वतों के रूप में
(b) संगृहीत पर्वतों के रूप में
(c) अवशिष्ट पर्वतों के रूप में
(d) ब्लॉक पर्वतों के रूप में

JEN Civil Diploma 21.08.2016

Ans. (c) वर्तमान में अरावली पर्वत अवशिष्ट पर्वत के रूप में विद्यमान है। इस पर्वत श्रेणी का विस्तार उत्तर-पूर्व से दक्षिण पश्चिम की ओर दिल्ली से लेकर अहमदाबाद तक लगभग 800 किमी. की लम्बाई में है। अरावली विश्व की प्राचीनतम पर्वत श्रेणी है। इस पर्वत श्रेणी का 80 प्रतिशत विस्तार राजस्थान राज्य में है। अरावली पर्वतीय प्रदेश का विस्तार राजस्थान राज्य के सात जिलों सिरोही, उदयपुर, राजसंमद, अजमेर, जयपुर, दौसा और अलवर में है। अरावली पर्वत श्रेणी की सर्वोच्च शिखर गुरुशिखर है जिसकी ऊँचाई 1722 मी. है।

→ अरावली पर्वत तीन प्रमुख उपप्रदेशों में विभक्त है-
(1) दक्षिणी अरावली प्रदेश।
(2) मध्य अरावली प्रदेश।
(3) उत्तरी अरावली प्रदेश।

255. राजस्थान के किस क्षेत्र में मालवा पठार का विस्तार है-

(a) दक्षिण-पूर्व (b) पूर्वी
(c) दक्षिण-पश्चिमी (d) उत्तर-पूर्वी

JEN Civil Diploma (Tsp Area) 16.10.2016

Ans. (a) मालवा पठार मध्य प्रदेश के पश्चिमी और राजस्थान के दक्षिण-पूर्व भाग में फैला हुआ है। मालवा पठार राजस्थान के झालावाड़ा, बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़ एवं कोटा जिलों में फैला हुआ है।